MAHD 1005

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE 2015.

Non-Semester

Hindi

KATHETAR SAHITYA

कथेतर साहित्य

Time : Three hours Maximum : 100 marks

I. किन्हीं पांच सवालों का करीब दो सौ शब्दों में उत्तर लिखिए। (5 × 8 = 40)

1. 'आधे अधूरे' नाटक की सावित्री का चरित्र चित्रण कीजिए।

2. ध्रुवस्वामिनी नाटक ऐतिहासिक होते हुए भी समस्या नाटक है। समर्थन कीजिए।

3. महादेवी वर्मा ने सुमित्रानंदन पंत के स्वभाव की कोमलता और शरीर की सुकुमारता पर जो लिखा है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

4. रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार श्रद्धा कितनी प्रकार की होती हैं? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

5. अशोक के फूल के संबन्ध में नामवर सिंह ने लिखा है कि यह फूल की कहानी नहीं है, भारतीय संस्कृति का एक अध्याय है। समर्थन कीजिए।

6. बेइमानी की परत के आधार पर परसाई के व्यंग्य लेखों की खासियतों पर विचार कीजिए।

7. 'आधे अधूरे' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर अपना अभिमत स्पष्ट कीजिए।

8. पुरोहित का यह कथन कितना सही है कि यह रामगुप्त मृत और प्रव्रजित तो नहीं पर गौरव से नष्ट, आचरण से पतित और कर्मों से क्लीब है। समझाइए।

II. किन्हीं पांच प्रश्नों का आलोचनात्मक उत्तर लिखिए। $(5 \times 12 = 60)$

9. "ध्रुवस्वामिनी के ज़रिए प्रसाद ने स्त्री की आस्मिता, प्रेम और गौरव को मान्यता दी है।" इस प्रस्ताव का समर्थन कीजिए।

10. 'आधे अधूरे' नाटक पारिवारिक विघटन की गाथा है।' अपना स्पष्ट अभिमत जाहिर कीजिए।

11. रामवृक्ष बेनीपुरी गेहूँ और गुलाब के प्रतीकों के ज़रिए जिन मुद्दों का विश्लेषण किया है उनका आकलन कीजिए।

12. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध में पारिवारिक रिश्तों की ऊष्मलता के साथ स्त्री की दीन अवस्था की तस्वीर भी उभर आई है। विश्लेषण कीजिए।

13. महादेवी वर्मा ने गुप्तजी जे कोमल-कठोर व्यक्तित्व के बारे में जो बातें लिखी है; उन्हें अपने शब्दों में पुन: लिखिए।

14. 'एक स्तर पर आधे अधूरे नाटक स्त्री-पुरुष के बीच के लगान और तनाव का दस्तावेज है।' समर्थन कीजिए।

15. ध्रुवस्वामिनी नाटक के रामगुप्त एवं चन्द्रगुप्त के स्वभाव एवं आचरणों की तुलना करते हुए स्पष्ट कीजिए, कौन श्रेष्ठ एवं कौन अधम है?

16. निबंध कला के तथ्यों के आधार पर बालकृष्ण भट्ट के निबंध की समीक्षा कीजिए।

———————